नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भागीरथपुरा कांड : पूरे प्रदेश में वॉटर ऑडिट जरूरी

इंदौर को देश का सबसे स्वच्छ शहर कहा जाता है, लेकिन भागीरथपुरा में जहरीले पानी की घटना ने सबकी आंखें खोल दीं हैं. जर्जर पाइप लाइनों से सीवेज पीने के पानी में घुल गया, जिससे कई लोगों की जान चली गई. इस घटना के बाद कराए गए नगर निगम के ऑडिट में पता चला है कि इंदौर में ही 650 किलोमीटर पाइपलाइनें खराब हो चुकी हैं. यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर जैसे पुराने शहरों में भी यही हाल है. पुरानी इंफ्रास्ट्रक्चर और रखरखाव की कमी ने पूरे मध्य प्रदेश को खतरे में डाल दिया है. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने कई फैसलों में साफ कहा है कि स्वच्छ पेयजल संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर नागरिक का मौलिक अधिकार है. जब प्यास बुझाना जानलेवा बन जाए, तो यह स्थानीय प्रशासन की नैतिक और कानूनी नाकामी है. स्वच्छ पानी कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरत है.

भागीरथपुरा जैसी त्रासदी बताती है कि शहरों का सौंदर्यीकरण तो हो रहा है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान कम है. स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में करोड़ों खर्च होते हैं, पर पाइप लाइनों का हाल देखें तो विकास का दावा अधूरा लगता है. भागीरथपुरा के बाद प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों में वॉटर ऑडिट अनिवार्य बनाना चाहिए. ज्यादातर शहरों के पुराने इलाकों में पाइप लाइनें 30-50 साल पुरानी हैं. वाटर ऑडिट से सड़ी-गली पाइपें ढूंढकर तुरंत बदली जा सकेंगी. पेयजल और ड्रेनेज लाइनें पास-पास होने से क्रॉस-कनेक्शन बन जाते हैं, जो समय बम की तरह हैं. जाहिर है ऑडिट इन बिंदुओं को चिह्नित कर सुधार सकता है. रिपोर्ट्स बताती हैं कि 40 से 60 प्रतिशत शुद्ध पानी लीकेज से बर्बाद हो जाता है. ऑडिट से रिसाव रोककर जल संकट कम होगा. इसके अलावा रासायनिक और जैविक जांच से हैजा, टाइफाइड, ई-कोलाई जैसी महामारियां पहले ही रोकी जा सकेंगी. ये कदम न केवल जान बचाएंगे, बल्कि संसाधनों का सदुपयोग भी सुनिश्चित करेंगे. हालांकि वॉटर ऑडिट लागू करने में चुनौतियां भी हैं. कई नगर निगमों के पास तकनीक और विशेषज्ञता की कमी है. बजट अभाव से रखरखाव टलता रहता है. फिर भी, केंद्र की जल जीवन मिशन योजना का लाभ उठाकर इसे संभव बनाया जा सकता है. सरकार हर जिले में ऑडिट टीम गठित करे, जिसमें इंजीनियर, वैज्ञानिक और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल हों. ऑडिट के बाद 'पाइपलाइन हेल्थ कार्ड' जारी हो, जिसमें स्थिति, मरम्मत योजना और समय सीमा स्पष्ट हो. जनता को भी जागृत किया जाए. इसके अलावा शहरों में वॉटर मीटर लगवाएं और शिकायत पोर्टल सक्रिय रखें.

कुल मिलाकर भागीरथपुरा की त्रासदी चेतावनी है. सरकार केवल इंदौर पर न रुके, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए 'सुरक्षित पेयजल प्रोटोकॉल' बनाए. जनता का पैसा सौंदर्य पर पहले खर्च न हो, बल्कि उन पाइप लाइनों पर लगे जो रसोई और बच्चों के गिलास तक जाती हैं. अगर पानी सुरक्षित नहीं, तो विकास के दावे खोखले हैं. समय है कि वॉटर ऑडिट विकल्प न रहे, अनिवार्य बने. इससे न केवल जीवन सुरक्षित होंगे, बल्कि मध्य प्रदेश सच्चे अर्थों में स्वच्छ और स्वस्थ राज्य बनेगा. जाहिर है पूरे प्रदेश में वॉटर ऑडिट कराना जरूरी है.

मध्य क्षेत्र की डायरी

दूषित पानी से हैं शर्मसार

दिलीप झा

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी ने 20 लोगों की जान ले ली और अभी भी 50 लोग विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं और इनमें से 10 गंभीर मरीजों का आईसीयू में इलाज चल रहा है. 8 जनवरी को 23 और नए मरीज आए और इनमें 6 की हालत गंभीर है. आजादी के 70 साल बाद भी क्या हम स्वच्छ जल के लिए जूझते रहेंगे, यह सभी राज्य सरकारों के लिए गहन चिंता का विषय जरूर होना चाहिए. इंदौर घटना की पुनरावृत्ति मध्यप्रदेश के दूसरे जिलों में न हो यह सुनिश्चित करना सरकार का काम है क्योंकि राजधानी भोपाल समेत सभी जिलों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति व्यवस्था चरमराई हुई है. पूरे प्रदेश से दूषित पानी की रिपोर्ट आ रही है यह चौंकाने वाली है और हमारे सिस्टम के लिए शर्मनाक है. जब राजधानी में यह हालात हैं तो प्रदेश के दूसरे जिलों में क्या स्थिति होगी इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है. इंदौर की घटना के बाद प्रदेश के सभी जिलों से दूषित पानी की खबरें आने लगी हैं. जिले के कलेक्टर शिकायत करने पर मुआयना करने पहुंच रहे हैं. काश यही गंभीरता पहले दिखाई जाती तो ऐसी नौबत नहीं आती.

सरकार सिस्टम से चलती है और अगर सिस्टम को हम ठीक से चलाने का प्रयत्न ही नहीं करेंगे तो सवाल उठेगा और जाहिर है विपक्षी दल कांग्रेस के नेता इसे मुद्दा बनाकर लोगों तक ले जाएंगे क्योंकि उन्हें भी अपनी राजनीति करनी है. प्रदेश की सरकार को चाहिए कि सिस्टमैटिक तरीके का पालन कर हर विभाग के कामकाज की मॉनिटरिंग के लिए एक कमेटी गठित करें और उसमें स्वच्छ और दूरदर्शी छवि वाले व्यक्तियों को उसका सदस्य और अध्यक्ष बनाएं. सूत्र बताते हैं कि सरकार को बदनाम करने दूषित पानी मामले में गहरा षडयंत्र हुआ है. इसलिए सरकार को पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने का आदेश देना चाहिए क्योंकि सरकार की छवि धूमिल हुई है. इस घटना के बाद विपक्षी दल कांग्रेस सरकार पर हमलावर है. इस घटना के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है.

बताया जा रहा है कि लोकसभा में प्रतिपक्ष

के नेता राहुल गांधी 11 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं और इस मसले पर सरकार को कटघरे में खड़ा करने की उनकी पूरी तैयारी है. ऐसे राजनीतिक हालात में सरकार के पास एक ही विकल्प है कि वह सीबीआई जांच के आदेश से यह सुनिश्चित करे कि दोषियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा.

एमपी ने टीबी निदान में हासिल की बड़ी उपलब्धि

राजेन्द्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री

मध्य प्रदेश ने क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है. राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत राज्य की तीन प्रमुख प्रयोगशालाओं-आयरएल भोपाल, एमआरटीबी इंदौर एवं जीआरएमसी ग्वालियर को नई एवं अत्यंत महत्वपूर्ण टीबी दवाओं बेडाक्विलिन (बीडीक्यू) और प्रेटोमैनिड (पीटीएम) के लिए लिक्विड कल्चर ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (एलसी डीएसटी) करने का राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ है.

यह प्रमाणन सुप्रा नेशनल रेफरेंस लेबोरेटरी (एसएनआरएल), एनआईआरटी चेन्नई एवं केंद्रीय क्षय प्रभाग (सीटीडी) द्वारा प्रदान किया गया है. उल्लेखनीय है कि ये प्रयोगशालाएँ देश की उन शुरुआती 15 प्रयोगशालाओं में शामिल हो गई हैं, जहाँ यह अत्यंत जटिल और महत्वपूर्ण जाँच संभव हो पाई है. यह परीक्षण केवल बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशालाओं में ही किया जा सकता है. इससे पूर्व पूरे देश में केवल एनआईआरटी चेन्नई ही इस परीक्षण के लिए प्रमाणित था, जिसके कारण राष्ट्रीय स्तर पर मरीजों की आवश्यकता को पूरा करना व्यवहारिक रूप से कठिन था.

> सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 14 से बढ़कर 19 हुई है और निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या 12 से बढ़कर 14 हुई है. दमोह, बुधनी और छतरपुर में आगामी सत्र से मेडिकल कॉलेज स्थापित होंगे, जबकि राजगढ़, मंडला और उज्जैन में मेडिकल कॉलेज स्थापना कार्य प्रगतिरत है. पीपीपी मॉडल पर 9 जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापना प्रक्रिया प्रगति पर है, जिनमें चार (कटनी, धार, पन्ना, बैतूल) निर्माण प्रक्रिया में हैं. ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, इंदौर का संचालन प्रारंभ हो चुका है। सरकारी एमबीबीएस सीटें 2275 से बढ़कर 2850 हुई हैं और सरकारी व निजी मिलाकर कुल एमबीबीएस सीटें 5550 हो गई हैं। PG (MD/MS) सीटें 1262 से बढ़कर 1468 हुईं और कुल PG सीटें 2862 हो गई हैं. सुपरस्पेशियलिटी सीटें 93 उपलब्ध हैं. एम.जी.एम. मेडिकल कॉलेज, इंदौर के अस्पताल भवन, मिनी ऑडिटोरियम, नर्सिंग हॉस्टल आदि के लिए 773.07 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं. श्यामशाह मेडिकल कॉलेज, रीवा हेतु 321.94 करोड़ और सतना मेडिकल कॉलेज से जुड़े नए अस्पताल के लिए 383.22 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं.

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश ने टीबी के विरुद्ध लड़ाई में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है. राज्य की तीन प्रयोगशालाओं को नई पीढ़ी की टीबी दवाओं की जांच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन मिलना, हमारे स्वास्थ्य तंत्र की क्षमता, वैज्ञानिक दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों को समय पर सटीक उपचार मिलेगा और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्य प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा. राज्य सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन एवं तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करती रहेगी.

इस प्रमाणन के माध्यम से अब इन प्रयोगशालाओं में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस पर बीडीक्यू एवं पीटीएम दवाओं की प्रभावशीलता की सटीक जाँच संभव होगी. इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों के उपचार में समय पर सही दवा व्यवस्था तय की जा सकेगी, उपचार परिणाम बेहतर होंगे तथा दवा प्रतिरोध के फैलाव को रोकने में भी मदद मिलेगी. नई बी-पाम उपचार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इन प्रयोगशालाओं का प्रमाणन टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा मरीजों को आधुनिक, सटीक एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2003 में 5 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय और 1 निजी चिकित्सा महाविद्यालय था. जो अब बढ़कर 19 और 14 हो गए हैं. इसके साथ 4 जिलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापना पर कार्य चल रहा है. 9 अन्य जिलों में चिकित्सा महाविद्यालय स्थापना की प्रक्रिया प्रगतिरत है. इसके अतिरिक्त 6 अन्य जिलों में केंद्रीय और राज्य मद से चिकित्सा महाविद्यालय स्थापना का कार्य किया जा रहा है. भाजपा सरकार हर जिले में उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है.

इसके साथ ही 4 सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, 2 स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, स्टेट वायरोलॉजी लैब, 5 वायरल डिजीस रिसर्च लैब, 6 मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट खोली गई हैं.

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनरल बेड की संख्या 2003 की तुलना में अब दोगुनी से भी ज़्यादा है. 15 हज़ार 500 आइसोलेशन बेड, 1695 आईसीयू बेड हैं. शिशु स्वास्थ्य के लिए 62 एसएनसीयू, 68 पीआईसीयू और 200 एनबीएसयू इकाइयाँ स्थापित की गयीं. इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज शिशु मृत्यु दर 85 से 37, मातृ मृत्यु दर 498 से 142 तक पहुंच गई है. सतत प्रयास जारी है ताकि मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मानकों को राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष राज्यों में हम लायें.

डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी रुक नहीं रही

इन दिनों पूरे प्रदेश में एक बार फिर से डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी के मामले ने लोगों की नींद हराम कर दी. ये साइबर ठग भोलेभाले किसान समेत पुलिस अधिकारी, बैंक अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर और वकील जैसे गजटेट रैंक के अधिकारियों को निशाना बनाकर मिनटों में उनके खातों से लाखों उड़ा देते हैं और पुलिस उनका कुछ नहीं कर पाती है. यह हैरानी की बात है कि ऐसी घटना अन्य प्रदेशों में बहुत कम है लेकिन मध्यप्रदेश में बहुत तेज रफ्तार में हो रही है. साइबर पुलिस क्या कर रही है. हर जिले में साइबर पुलिस का अमला है तो उनकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए. उनकी तिमाही समीक्षा बैठक डीजीपी को लेनी चाहिए. क्योंकि पूरे प्रदेश में कई गिरोह सक्रिय हैं जो लोगों की जीवन भर की कमाई को मिनटों में उड़ा देते हैं. पता नहीं पुलिस की क्या मजबूरी है वह इस प्रकार की ठगी रोक नहीं पा रही है. पुलिस अथवा सुरक्षा एजेंसियों को यह देखना चाहिए कहीं ये पैसे आतंकियों के हाथों में तो नहीं जा रहा है. पिछले सप्ताह बैतूल में 23 लाख की धोखाधड़ी और इस सप्ताह में इंदौर की एक बुजुर्ग महिला से 17 लाख की ठगी छोटा अपराध नहीं कह सकते हैं. मध्यप्रदेश साइबर पुलिस को ठगी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की योजनाएं तैयार करनी चाहिए. अगर उसके पास कर्मचारियों की कमी है तो प्रस्ताव बनाकर सरकार को देना चाहिए.

वर्ष भर में चांदी क्यों इतनी चमकी?

पिछले वर्ष 1 जनवरी 2025 को चांदी 85,913 रुपये प्रति किलो थी. इसके ठीक 1 वर्ष बाद 1 जनवरी 2026 को चांदी का भाव 2,46,889 रुपये प्रति किलो हो गया. यह 160 प्रतिशत से भी ज्यादा मूल्य वृद्धि है. चांदी इतनी अधिक महंगी होने की कुछ खास वजह है. इसका इस्तेमाल सिर्फ आभूषण बनाने में नहीं होता, बल्कि बैटरी और सोलर पैनल के निर्माण में भी चांदी की जरूरत पड़ती है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े उद्योगों में भी चांदी की जबरदस्त मांग है. वहां स्मार्ट ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डाटा ट्रांसमिशन तक में चांदी का इस्तेमाल होता है. आगामी अनेक वर्षों तक चांदी की एआई में भारी मांग बनी रहेगी. चांदी का इस्तेमाल आभूषण, सिक्के व मेडल बनाने के लिए भी किया जाता है. डॉलर, हाफ डॉलर व क्वार्टर के सिक्के चांदी के रहते हैं. नवंबर में अमेरिका ने चांदी को क्रिटिकल मिनरल्स की श्रेणी में डाल दिया. हर 3 वर्षों में वहां का भूगर्भ सर्वे विभाग ऐसे निर्णय लेता है. अमेरिका में टैरिफ के भय से भी धातुओं का संग्रह बढ़ा.

सीएमई ग्रुप के कमॉडिटी एक्सचेंज के अनुसार सितंबर में चांदी का भंडार बढ़कर 531 मिलियन आउंस हो गया, जो उसके 1 वर्ष पहले से 74 प्रतिशत अधिक है. एक आउंस 28 ग्राम के बराबर होता है. चीन ने भी चांदी सहित दुर्लभखनिज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया. अमेरिका ने चांदी जमा की तो इंग्लैंड को लगा कि वह क्यों पीछे छूट जाए. उसने भी अक्टूबर में चांदी का बड़ा स्टॉक जमा कर लिया. इस वजह से दुनिया में तेजी से दाम बढ़ गए. भारत में सोने और चांदी के एक्सचेंज फंड (ईटीएफ) में निवेश बढ़ता जा रहा है. कम रकम से भी इस म्यूचुअल फंड में निवेश किया जा सकता है. कुल पैसिव फंड में सोने और चांदी का ईटीएफ 71.9 प्रतिशत हो गया है. जब म्यूचुअल फंड हाउसेस यूनिट क्रिएट करते हैं, तो उन्हें भौतिक रूप से चांदी खरीदनी पड़ती है. इससे लंदन और भारत के बाजारों में चांदी की कमी आई है. सोना-चांदी के समान ही तांबे की कीमत भी बढ़ी है. वह दिसंबर में 12,000 डॉलर प्रति टन को पार कर गया.

निशानेबाज

दलबद्दल से कौन बचा इसका है कुछ अलग मजा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, जबसे हमने अपने मतलब के लिए पार्टी बदली है, लोग हमें दलबदलू कहकर चिढ़ाते हैं. कुछ तो हमें रंग बदलने वाला गिरगिट भी कहते हैं. इससे बड़ा दुख होता है.'

हमने कहा, 'लोगों के कहने की परवाह मत कीजिए. राजनीति में सक्रिय बने रहना है तो कपड़ों के समान पार्टी बदलते रहिए. कभी गले में तिरंगी दुपट्टा डालते थे, अब भगवा डालकर शान से चलिए. जीवन में यह सिद्धांत रखिए कि जिधर दम, उधर हम ! जैसे गिद्ध शिकार पर झपटता है वैसे ही आप भी जहां अवसर, पद या धन मिले, लपक जाइए. एक खूंटे से कब तक बंधे रहेंगे?'

पड़ोसी ने कहा, 'हमारे पुराने साथी आरोप लगाते हैं कि हम बेईमान हैं. हम में पार्टी के प्रति निष्ठा नहीं है. छुट्टे सांड की तरह कहीं भी मुंह मारते हैं. हमें मौकापरस्त और स्वार्थी कहा जाता है.'

हमने कहा, 'यह बहुत मामूली बात है. इसे दिल पर मत लीजिए. एक कान से सुनकर दूसरे से उड़ा दीजिए.

राजनीति में हैं तो पतली नहीं, मोटी चमड़ी रखिए. जब मौसम बदलता है, दिन-रात बदलते हैं, हर साल कैलेंडर बदल जाता है, लोग नौकरी और मकान बदलते हैं तो पायजामे की तरह पार्टी भी बदलते रहिए. कभी पूंजीवादी बन जाइए तो कभी समाजवादी, कभी सेक्यूलर तो कभी सांप्रदायिक ! कभी गांधीवादी तो कभी संघवादी ! इससे आपको फ्रेशनेस या ताजगी का अनुभव होगा. जब सांप केंचुली बदलता है तो आप भी पार्टी बदलते रहिए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब हम एक पार्टी छोड़ दूसरी पार्टी में जाते हैं तो हमारे मन में बदलाव के गीत गूंजते हैं जैसे कि बदली-बदली दुनिया है मेरी, जादू है ये क्या तेरे नैनों का ! बदल के मेरी जिंदगानी, कहीं बदल ना जाना सनम ! इस रंग बदलती दुनिया में इंसान की नीयत ठीक नहीं ! दुनिया बदल गई मेरी दुनिया बदल गई ! देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान, कितना बदल गया इंसान !'

हमने कहा, 'नई पार्टी में जब आपको चुनाव लड़ने की उम्मीदवारी मिल जाए तो आपको गुनगुनाना चाहिए- झूम-झूम कर गाओ आज, गाओ खुशी के गीत !'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12137 - डॉ. सागर खादीवाला

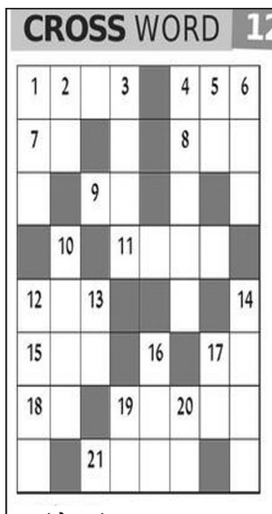

ऊपर से नीचे
1 कसम, सौगंध, प्रतिज्ञा (सं.) 2. ताकत, शक्ति 3. चांदी-सोने आदि पर मीना करने वाला (उर्दू) 4. संवाद या समाचार देने वाला, वह जो किसी विशेष स्थान से समाचार लिखकर समाचार पत्र में छपने के लिए भेजता हो 5. सप्ताह के कुल दिनों की संख्या 6. चांदी (सं.) 10. चंद्रमा (सं.) 12. शिक्षा, नसीहत (सं.) 13. लुआब, मुंह से निकलने वाला थूक 14. भय या शीत से कांपना, थर्राना 16. पद (उर्दू) 17. स्त्री जाति का प्राणी या जीव 19. बाण, सरकंडा (सं.) 20. रण, युद्ध, जंगल

बाएं से दाएं
1. ओस से बचने के लिए छत पर टांगने का कपड़ा, मसहरी, मच्छरदानी (उर्दू), 4. दुनिया, जगत 7. समय का एक लघु विभाग जो 24 सेकंड के बराबर होता है 8. वायु द्वारा उत्पन्न (सं.) 9. अवसर, वह स्थान जहां पर कोई घटना घटी हो (उर्दू) 11. दानेदार, शुभचिंतक (उर्दू) 12. उज्ज्वल, स्वच्छ, सफेद 15. पानी निकाला हुआ दही, फाड़कर जमाया हुआ दूध 17. मास, महीना 18. राष्ट्र, मुल्क 19. शहर में रहने वाला (उर्दू) 21. देवता या बड़ों के प्रसन्न होने पर कोई अभीष्ट वस्तु या सिद्धि प्रदान करना

Solution 12136

रो	क	था	म			ना	शी
म	द			हि	रा	स	त
कू		म	हि	मा		दा	ल
प	ला	श		ल	ल	न	
	स	हू	लि	य	त		क
म	क	र			खो	ख	ला
ही			अ	स	र	दा	र
न	त	म	स्त	क		न	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है,व्यय मेंकमी होगी, व्यवसाय मेंसुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम केउपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्ययहोगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय मेंवृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र मेंवृद्धि होगी, यश कीर्ति बढ़ेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को शत्रु षड्यंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अपनी कार्यक्षमता का परिणाम सुखद प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर सुशील मिलनसार और न्यायप्रिय होगा, भूमि भवन मकान आदि का सुख रहेगा. नौकरी आदि में सफलता मिलेगी. माता का भक्त होगा. जन्म स्थान से दूर भाग्योदय होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

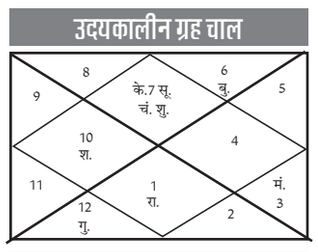

पंचांग

रा.मि. 20 संवत् 2082 माघ कृष्ण सप्तमीं शनिवासरे दिन 11/5, हस्त नक्षत्रे शाम 6/21, अतिगण्ड योगे रात 7/52, वव करणे सू.उ. 6/44, सू.अ. 5/16, चन्द्रचार कन्या, शु.रा. 6, 8, 9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक-8,0,5.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण सप्तमीं को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीपल खांड़ गेहूँ, सूत, जौ, चना, तिल, तेल, में तेजी होगी. वायदा विचार आज शेयर बाजारों के रूख पर व्यापार करना लाभदायक रहेगा. भाग्यांक 2559 है.

मेष- स्वास्थ्य में उतार चढाव बना रहने से सेहत बिगड़ सकती है. मामूली बात पर मित्रों से कहासुनी होगी. मानसिक प्रसन्नता होगी. थोडे लाभ में भी संतोष रहेगा.

वृषभ- आपके सहज स्वाभाव का लोग गलत फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं. निकट संबंधियों का सहयोग रहेगा.मनचाही सफलता मिलेगी. कामकाज पूरा होगा.

मिथुन- आपका कड़ा व्यवहार घर में कलह का कारण बन सकता है. विद्या पक्ष में उन्नति होगी. कामकाजी महिलाओं को अच्छी सफलता का योग है.

कर्क- आकस्मिक विस्तार की संभावना को बल मिलेगा. कामकाज की देरी से खिन्नता होगी. कोर्ट कचहरी के कार्यों में यथेष्ट सफलता मिलेगी.

सिंह- आप किसी बात को लेकर भयभीत हो सकते हैं. मित्रों का साथ वृश्चिके बढ़ने की हिम्मत देगा. परिश्रम अधिक रहेगा. किसी विशिष्ट व्यक्ति से सहयोग मिलेगा.

कन्या- मित्रों से किया गया वादा निभाना मुश्किल होगा, नए काम की तलाश में सफलता मिलेगी. कामकाज के प्रति उत्साह बना रहेगा. व्ययभार की अधिकता रहेगी.

तुला- कामकाज निपटाने के लिये किसी के सहयोग की जरूरत होगी. लाभ होने का योग है. यात्रा आदि का योग प्रबल रहेगा. प्रयत्नों में सफलता मिलेगी.

वृश्चिक- दूसरों को अपने व्यक्तिगत मामलों में दखल का अवसर न दें. परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी. सुखद अनुभवों की प्राप्तिहोगी.

धनु- भौतिक सुख सुविधा में बढ़ोत्तरी संभव है. कार्य क्षेत्र में आपका प्रभाव व वर्चस्व बढ़ेगा. स्त्री जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. आर्थिक कार्यों में सुधार होगा.

मकर- कुछ लोग आपसे नजदीकी का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं. व्यवसायिक क्षेत्र में सुधार होगा. अतिथि वृश्चिकमन का योग है. संयम से कार्य करें.

कुम्भ- रूकी योजनाओं में गति देने में सफलता मिलेगी. पारिवारिक परेशानी दूर होगी. हितकारी लाभदायक योजनायें बनेंगी. उत्साह बना रहेगा.

मीन- कैरियर में आ रही बाधा दूरी होंगी. कम लाभ में भी संतोष रहेगा. अतिथि आगमन होगा. उचित मार्गदर्शन मिलेंगे. मित्र आपकी मदद करेंगे.

SUDOKU 7269

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7268

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7